UGC NET Paper= 2.. Sanskrit

Filler Form

YouTube

JRF का जलवा

व्याकरण एवं भाषाविज्ञान का विशिष्ट अध्ययन

UNIT= 6

Daily = 6 pm

Class = 92

By=NIDHU CHAUDHARY

B.A., M.A., P.G.D.C.A., now Ph.d purshuing

m

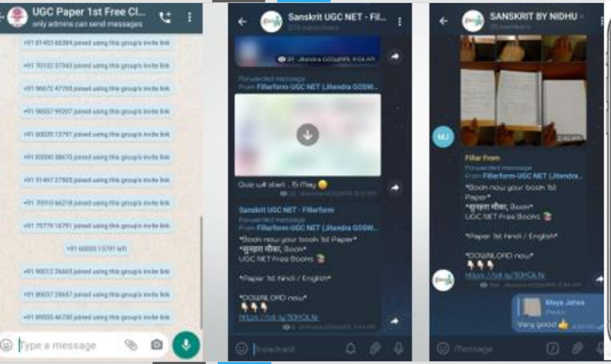
UGC Paper 1st Free Cl...
Sanskrit UGC NET - Fil...
SANSKRIT BY NIDHU

Filler Form
Quizzes
Notes
Sample Papers
UGC NET 100%
Off Free Class
Free Notes
PYQ with Ans
100+ Mock Test
fillerform

Filler Form
Quizzes
Notes
Sample Papers
UGC NET 2022
Free 100+
Mock Test
fillerform

www.ugc-net.com
NET Free Class
09:00 AM- GK Class
11:00 AM- Paper 1st
12:00 PM - Hindi 2nd
01:00 PM- History 2nd
02:00 PM- Paper 1st MCQ
03:00 PM- Commerce 2nd
06:00 PM- Sanskrit 2nd
07:00 PM - Short video(notes)
08:00 PM- Job/PhD update
09:00 PM- Paper 1st DI
Fillerform

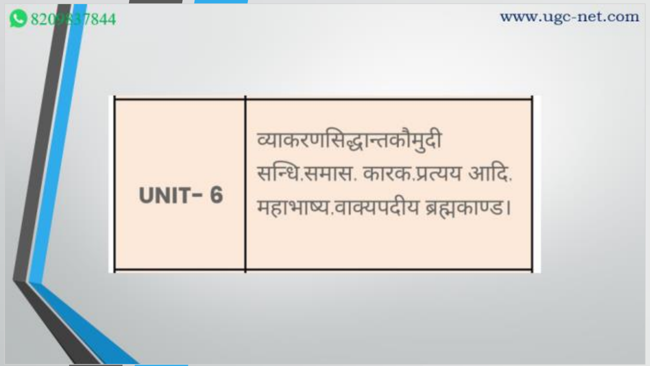
www.ugc-net.com
UNIT- 6
व्याकरणसिद्धान्तकौमुदी
सन्धि.समास. कारक.प्रत्यय आदि.
महाभाष्य.वाक्यपदीय ब्रह्मकाण्ड।

www.ugc-net.com
We want JRF
JRF का जलवा
We want JRF

UGC NET Giveaway
GIVEAWAY
www.ugc-net.com
Fillerform
8209837844

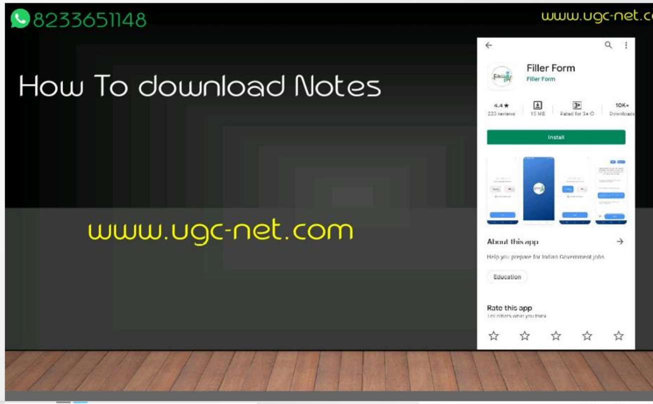
8233651148
www.ugc-net.c
How To download Notes
www.ugc-net.com
Filler Form
Install

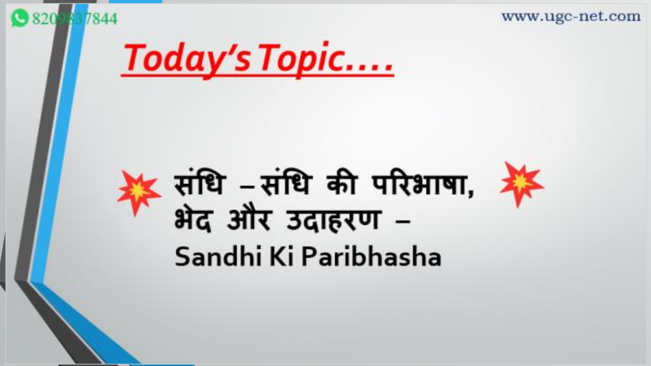
www.ugc-net.com
Today's Topic....
संधि – संधि की परिभाषा,
भेद और उदाहरण –
Sandhi Ki Paribhasha

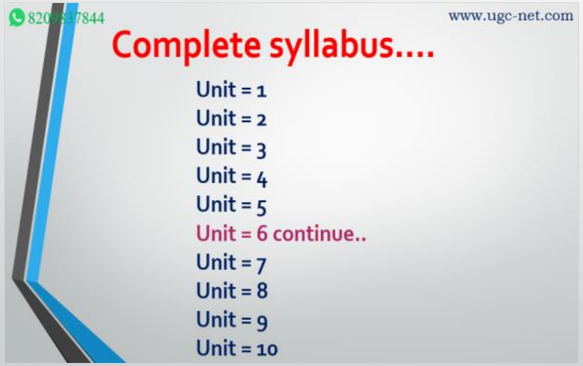
www.ugc-net.com
Complete syllabus....
Unit = 1
Unit = 2
Unit = 3
Unit = 4
Unit = 5
Unit = 6 continue..
Unit = 7
Unit = 8
Unit = 9
Unit = 10

UGC NET Giveaway
Free Power bank
May
25
Apply Now
GIVEAWAY
www.ugc-net.com
Fillerform
8209837844

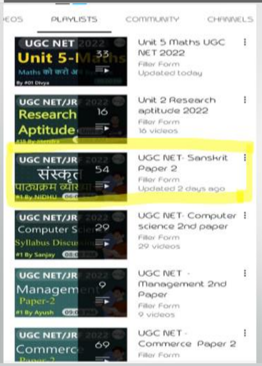
PLAYLISTS
COMMUNITY
CHANNELS
Unit 5 Maths UGC NET 2022
Unit 2 Research aptitude 2022
UGC NET- Sanskrit Paper 2
UGC NET- Computer science 2nd paper
UGC NET - Management 2nd Paper
UGC NET - Commerce Paper 2

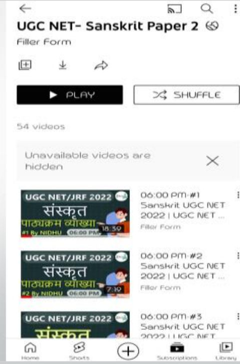
UGC NET- Sanskrit Paper 2
Filler Form
PLAY
SHUFFLE
54 videos
Unavailable videos are hidden

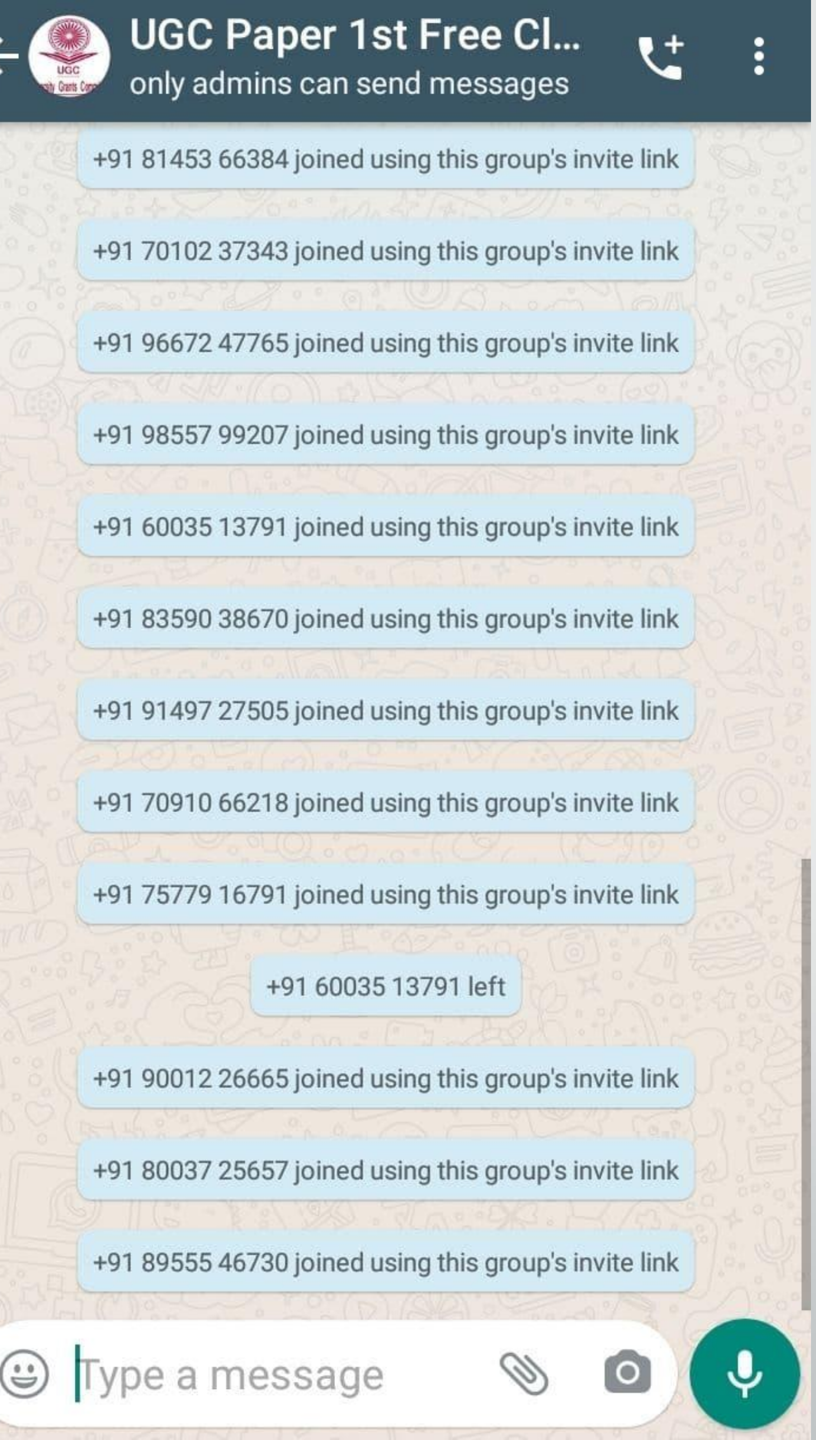
UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages
+91 81453 66384 joined using this group's invite link
+91 70102 37343 joined using this group's invite link
+91 96672 47765 joined using this group's invite link
+91 98557 99207 joined using this group's invite link
+91 60035 13791 joined using this group's invite link
+91 83590 38670 joined using this group's invite link
+91 91497 27505 joined using this group's invite link
+91 70910 66218 joined using this group's invite link
+91 75779 16791 joined using this group's invite link
+91 60035 13791 left
+91 90012 26665 joined using this group's invite link
+91 80037 25657 joined using this group's invite link
+91 89555 46730 joined using this group's invite link
Type a message

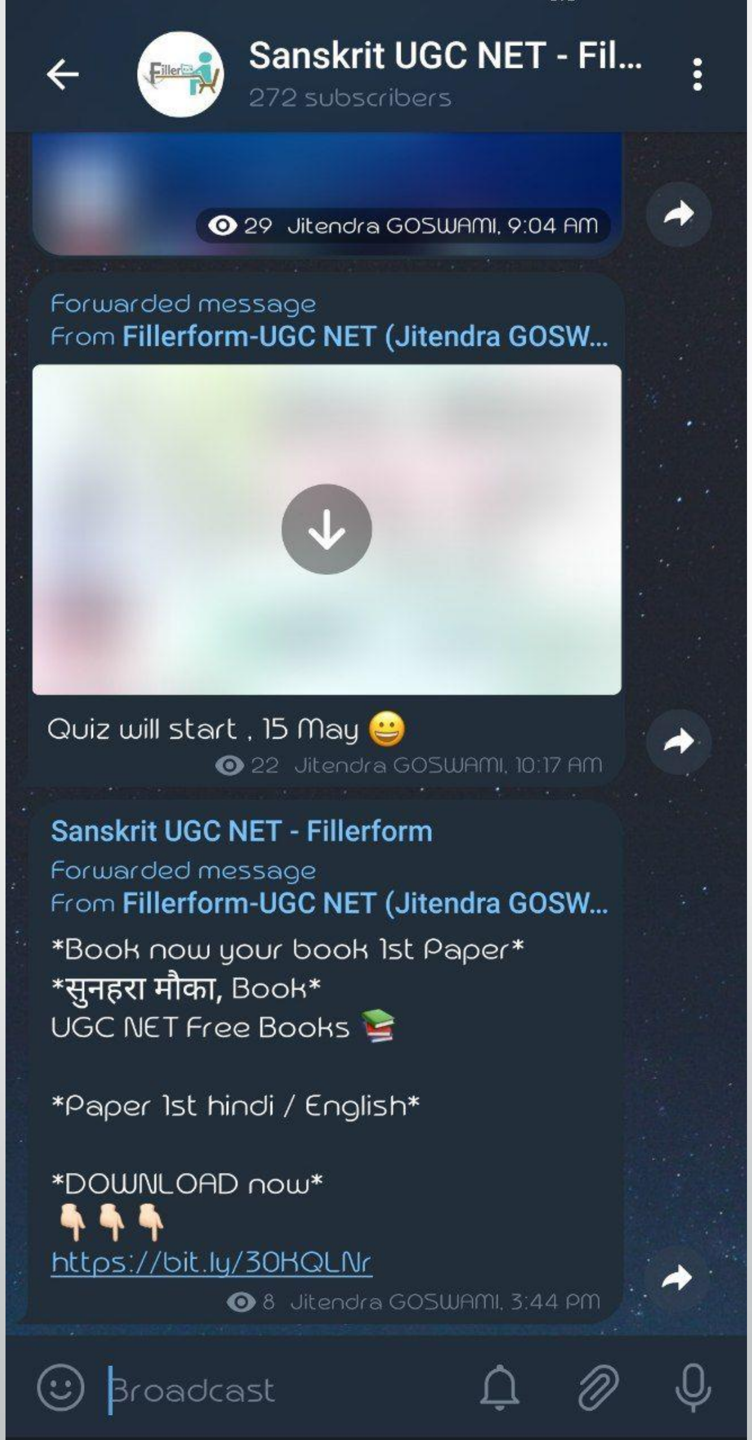
Sanskrit UGC NET - Fil...
272 subscribers
29 Jitendra GOSWAMI, 9:04 AM
Forwarded message
From Fillerform-UGC NET (Jitendra GOSW...
Quiz will start , 15 May 😀
22 Jitendra GOSWAMI, 10:17 AM
Sanskrit UGC NET - Fillerform
Forwarded message
From Fillerform-UGC NET (Jitendra GOSW...
Book now your book 1st Paper
सुनहरा मौका, Book
UGC NET Free Books 📚
Paper 1st hindi / English
DOWNLOAD now
👇👇👇
https://bit.ly/30KQLNr
8 Jitendra GOSWAMI, 3:44 PM
Broadcast

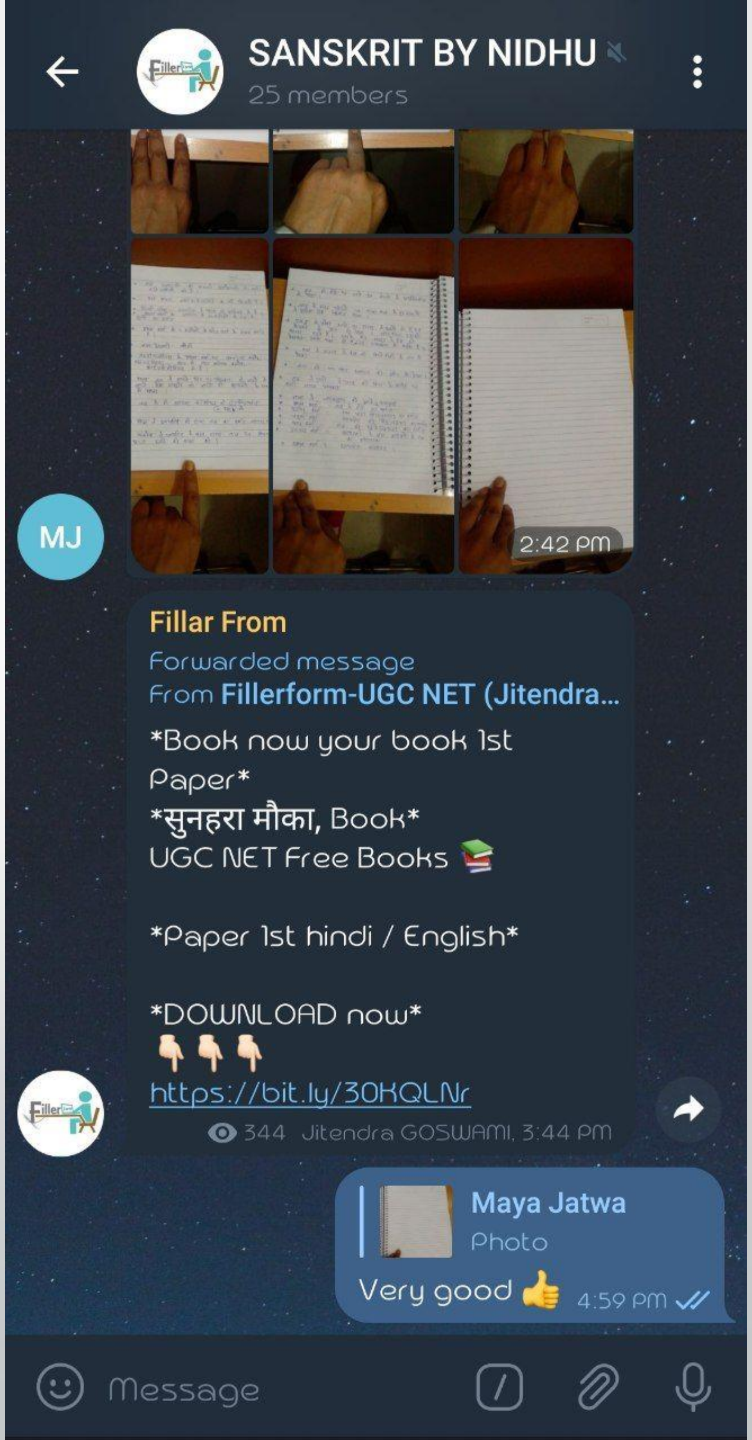
SANSKRIT BY NIDHU
25 members
MJ
2:42 PM
Fillar From
Forwarded message
From Fillerform-UGC NET (Jitendra...
Book now your book 1st Paper
सुनहरा मौका, Book
UGC NET Free Books 📚
Paper 1st hindi / English
DOWNLOAD now
👇👇👇
https://bit.ly/30KQLNr
344 Jitendra GOSWAMI, 3:44 PM
Maya Jatwa
Photo
Very good 👍 4:59 PM
Message

UGC NET 100% Off Free Class

Free Notes

PYQ with Ans

100+ Mock Test

fillerform

UGC NET 2022

Free 100+

Mock Test

fillerform

8209837844

www.ugc-net.com

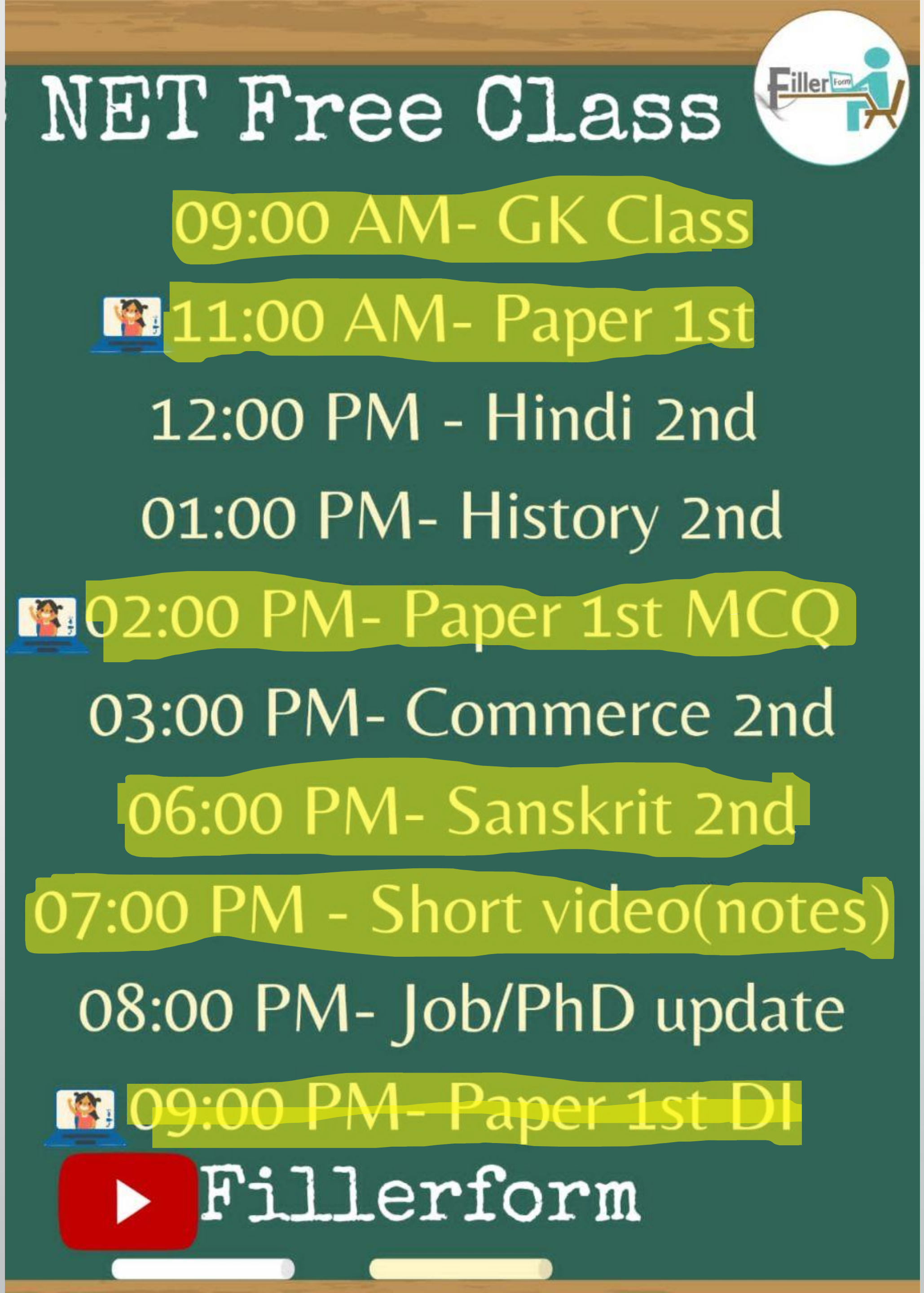

8233651148

www.ugc-net.com

How To download Notes

www.ugc-net.com

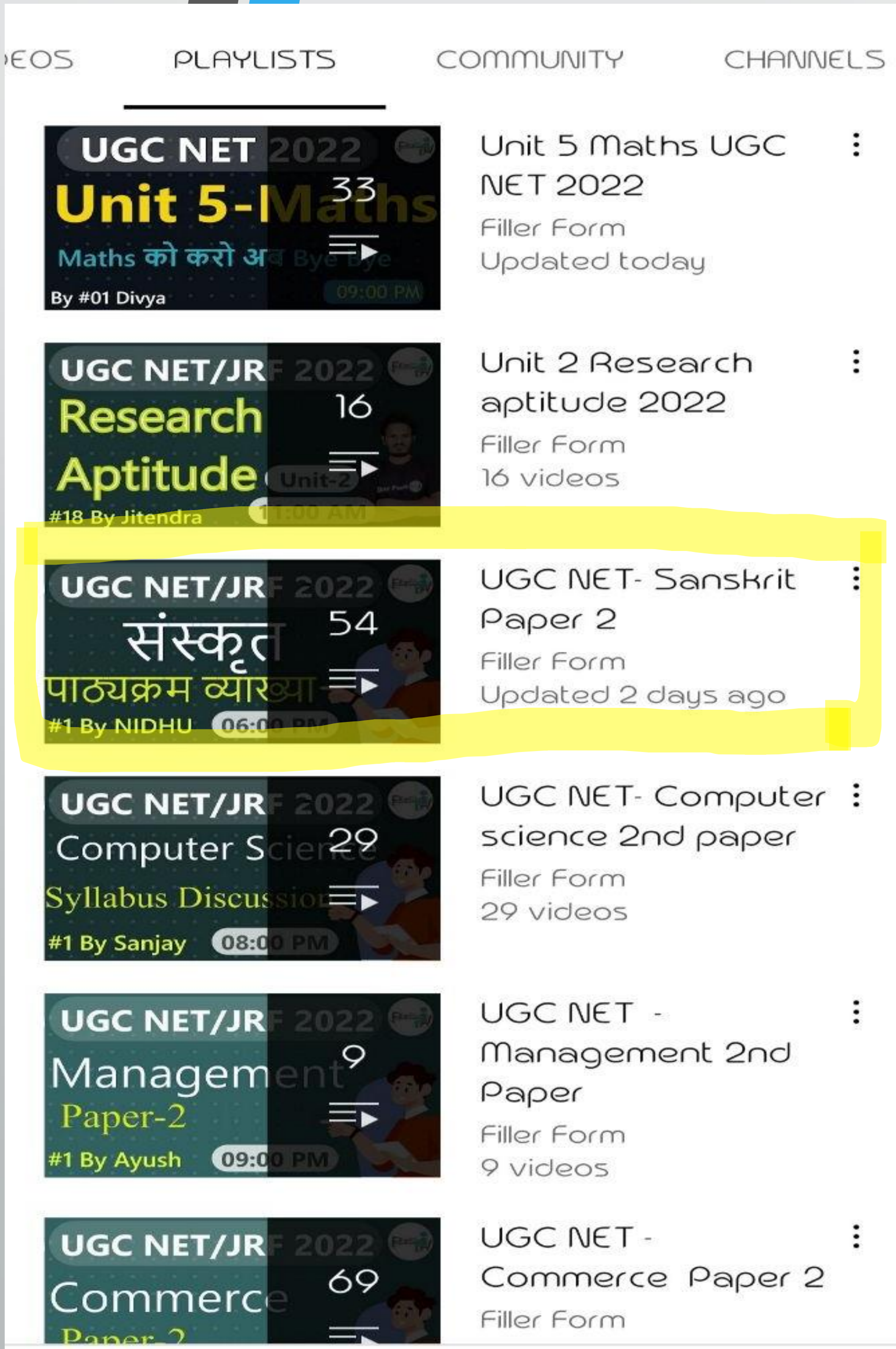
EOS
PLAYLISTS
COMMUNITY
CHANNELS
UGC NET 2022
Unit 5-Maths
33
By #01 Divya
Unit 5 Maths UGC NET 2022
Filler Form
Updated today
UGC NET/JRF 2022
Research Aptitude
16
#18 By Jitendra
Unit 2 Research aptitude 2022
Filler Form
16 videos
UGC NET/JRF 2022
संस्कृत
पाठ्यक्रम व्याख्या
54
#1 By NIDHU
UGC NET- Sanskrit Paper 2
Filler Form
Updated 2 days ago
UGC NET/JRF 2022
Computer Science
Syllabus Discussion
29
#1 By Sanjay
UGC NET- Computer science 2nd paper
Filler Form
29 videos
UGC NET/JRF 2022
Management
Paper-2
9
#1 By Ayush
UGC NET - Management 2nd Paper
Filler Form
9 videos
UGC NET/JRF 2022
Commerce
69
UGC NET - Commerce Paper 2
Filler Form

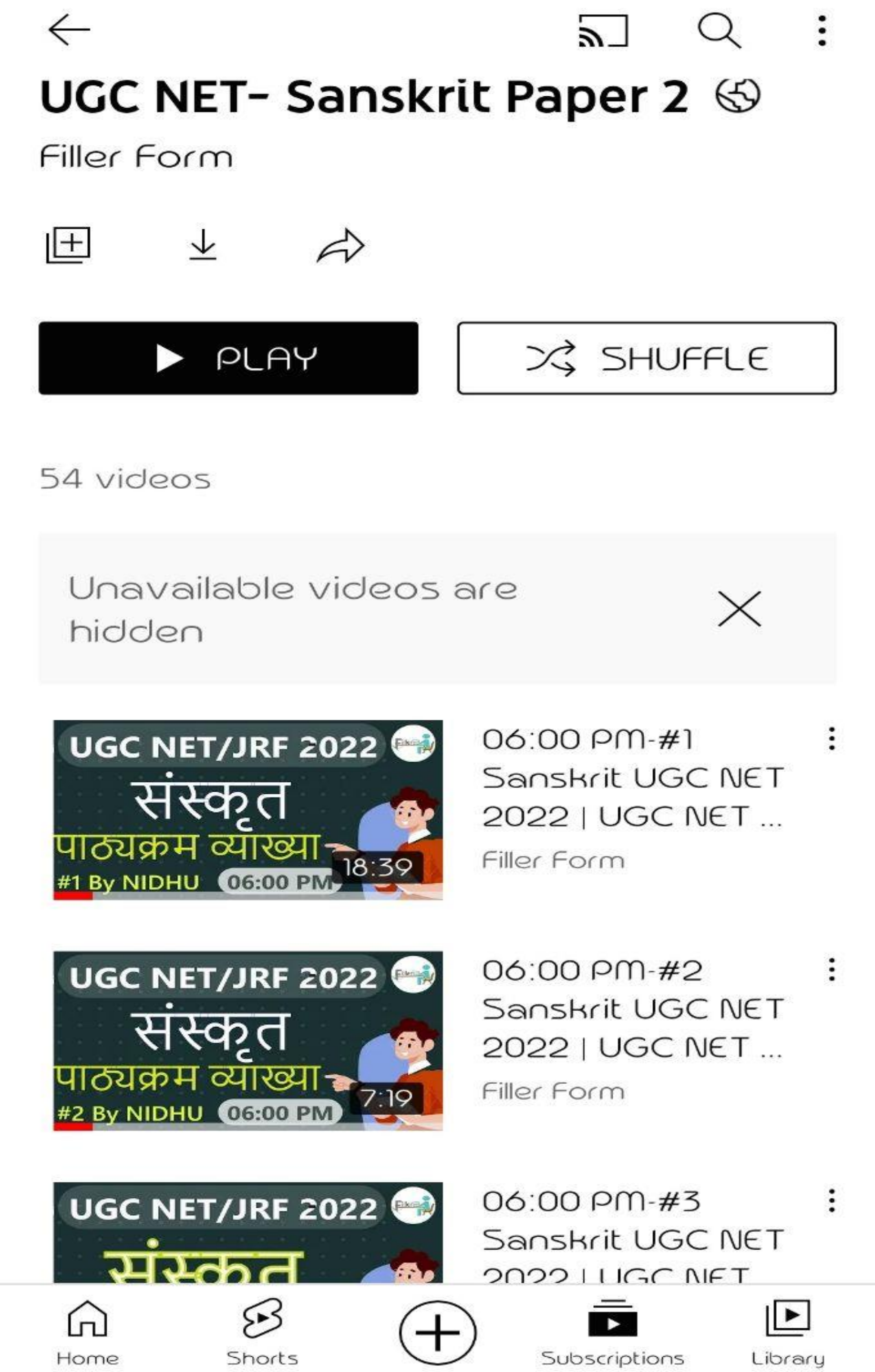
UGC NET- Sanskrit Paper 2
Filler Form
PLAY
SHUFFLE
54 videos
Unavailable videos are hidden
UGC NET/JRF 2022
संस्कृत
पाठ्यक्रम व्याख्या
#1 By NIDHU 06:00 PM
18:39
06:00 PM-#1 Sanskrit UGC NET 2022 | UGC NET ...
Filler Form
UGC NET/JRF 2022
संस्कृत
पाठ्यक्रम व्याख्या
#2 By NIDHU 06:00 PM
7:19
06:00 PM-#2 Sanskrit UGC NET 2022 | UGC NET ...
Filler Form
UGC NET/JRF 2022
06:00 PM-#3 Sanskrit UGC NET
Home
Shorts
Subscriptions
Library

UGC NET Giveaway

www.ugc-net.com Fillerform 8209837844

UGC NET Giveaway

Free Power bank

www.ugc-net.com Fillerform 8209837844

8209837844

We want JRF

🎯 JRF का जलवा 🔥 🏆

We want JRF

8209837844
www.ugc-net.com

Complete syllabus….

Unit = 1
Unit = 2
Unit = 3
Unit = 4
Unit = 5
Unit = 6 continue..
Unit = 7
Unit = 8
Unit = 9
Unit = 10

8209837844

www.ugc-net.com

UNIT- 6	व्याकरणसिद्धान्तकौमुदी सन्धि,समास, कारक,प्रत्यय आदि, महाभाष्य,वाक्यपदीय ब्रह्मकाण्ड।

8209837844

www.ugc-net.com

Today's Topic....

संधि – संधि की परिभाषा, भेद और उदाहरण – Sandhi Ki Paribhasha

संधि परिभाषा

1. गुण-सन्धि
2. वृद्धि-सन्धि –
3. यण सन्धि-
4. अयादि सन्धि
5. विसर्ग सन्धि

संधि परिभाषा

दो समीपवर्ती वर्णों के मेल से जो विकार (परिवर्तन) होता है वह सन्धि कहलाता है। सन्धि में पहले शब्द के अंतिम वर्ण का मेल होता है।

सन्धि के तीन भेद होते हैं-
(1) स्वर-सन्धि
(2) व्यंजन सन्धि
(3) वृद्धि विसर्ग सन्धि

स्वर- सन्धि —स्वर के बाद स्वर अर्थात दो स्वरों के मेल को स्वर सन्धि कहते है। स्वर सन्धि के 5 भेद होते है-
(i) दीर्घ सन्धि
(ii) गुण सन्धि
(iii) वृद्धि सन्धि
(iv) यण सन्धि
(v) अयादि सन्धि

दीर्घ सन्धि-

हस्व या दीर्घ 'आ', 'इ', 'उ', के पश्चात क्रमशः हस्व या दीर्घ 'आ', 'इ', 'उ' स्वर आएं तो दोनों को मिलाकर दीर्घ आ, ई, ऊ हो जाते है, जैसे

अ + अ = आ
धर्म + अर्थ = धर्मार्थ
आ + आ = आ
विद्या + आलय = विद्यालय

आ + अ =आ
महा + आत्मा = महात्मा
स्व + अर्थी = स्वार्थी
महा + आनन्द = महानन्द
परीक्षा + अर्थी = परीक्षार्थी
मत + अनुसार = मतानुसार
रेखा + अंश = रेखांश
वीर + अगंना = विरांगना
सीमा + अन्त = सीमान्त

इ + इ = ई

अति + इव = अतीव

कवि + इन्द्र = कवीन्द्र

रवि + इन्द्र = रवीन्द्र

कपि + इन्द्र = कपिन्द्र

इ + ई = ई

गिरि + ईश = गिरीश

परि + ईक्षा = परीक्षा

हरि + ईश = हरीश

ई + इ = ई

मही + इन्द्र = महीन्द्र

ई + ई = ई

रजनी + ईश = रजनीश

योगी + इन्द्र = योगीन्द्र

जानकी + ईश = जानकीश

नारी + ई्श्वर = नारीश्वर

उ + उ = ऊ

भानु + उदय = भानूदय

उ + ऊ = ऊ

घातु + ऊष्मा = धातूष्मा

गुरु + उपदेश = गुरूपदेश

सिंघु + ऊर्मि = सिंघूर्मि

लघु + उत्तर = लघूत्तर

ऊ + उ = ऊ

वधू + उत्सव = वधूत्सव

ऊ + ऊ = ऊ

भू + ऊर्जा = भूर्जा

भू + उद्धार = भूद्वार

भू + ऊष्मा = भूष्मा

8209837844

www.ugc-net.com

गुण-सन्धि

यदि अ और आ के बाद इ या ई, उ या ऊ तथा ऋ स्वर आए तो दोनों के मिलने के क्रमशः ए, ओ और अर हो जाते है, जैसे
या, ऊ ,तथा , ऋ

आ + इ = ए
अ + ई = ए

नर + इन्द्र = नरेन्द्र
नर + ईश = नरेश
सुर + इन्द्र = सुरेन्द्र

सोम + ईश्वर = सोमेश्वर

आ + इ = ए
आ + ई + ए

रमा + इन्द्र = रमेन्द्र
महा + ईश = महेश

अ + उ = ओ

वीर + उचित = वीरोचित

अ + ऊ = ओ

सूर्य + ऊर्जा =

पर + उपकार =परोपकार

नव + ऊढ़ा = नवोढ़ा

हित + उपदेश = हितोपदेश

आ + उ = ओ

महा + उदय = महोदय

आ + ऊ = ओ

महा + ऊष्मा = महोष्मा

महा + उत्सव = महोत्सव

महा + ऊर्जा = महोर्जा

अ + ऋ = अर

देव + ऋषि = देवर्षि

सप्त + ऋषि = सप्तर्षि

राज + ऋषि = राजर्षि

वृद्धि-सन्धि –

अ या आ के बाद ए या ऐ आए तो 'ऐ' और ओ और औ आए तो औ हो जाता हो।

अ + ए = ऐ , एक + एक = एकैक, लोक + एषण = लोकैषणा

अ + ऐ = ऐ, मत + ऐक्य = मतैम्य, धन + ऐश्वर्य = धनैश्वर्य

आ + ए = ऐ , सदा + एव = सदैव, तथा + एव = तथैव

आ + ऐ = ऐ , महा + ऐश्वर्य = महैश्वर्य , रमा + ऐश्वर्य = रमैश्वर्य

अ + ओ = औ, वन + ओषधि = वनौषधि, दन्त + ओष्ठ = दंतौष्ठ

अ + औ = औ , परम + औदार्य =परमौदार्य

आ + औ = और, महा + ओज = महौज

आ + औ = और, महा + औदांर्य = महौदार्य

यण सन्धि-

यदि इ, ई, उ, ऊ और ऋ के बाद भिन्न स्वर आये तो इ और ई का 'य' तथा उ और ऊ का व और का ऋ हो जाता है-

इ + अ = य , अति + अधिक = अत्यधिक, यदि + अपि = यद्यपि

इ + आ = या , इति + आदि = इत्यादि, अति + आचार = अत्याचार

इ + उ = यु , उपरि + उक्त = उपर्युक्त, प्रति + उपकार = प्रत्युपकार

इ +ऊ = यू, नि + ऊन = न्यून , वि + ऊह = व्यूह

इ + ए = ये , प्रति + एक = प्रत्येक, अधि + एषणा = अध्येषणा

ई + आ = या, देवी +आगमन = देव्यागमन

8209837844

www.ugc-net.com

इ + ऐ = ये , सखी + ऐश्वर्य =

उ + अ = व , सु + अच्छ = स्वच्छ , अनु + अन्य = अन्वय

उ + आ = व, सु +आगत = स्वागत

उ + इ = वि, अनु + इति = अन्विति

उ + ए = वे, अनु + एषण = अन्वेषण

ऊ + आ = वा, वधू + आगमन = वध्वागमन

ऋ + अ = र, पितृ + आज्ञा = पित्राज्ञा, मातृ + आज्ञा = मात्राज्ञा

ऋ + इ = रि मातृ + इच्छा = मात्रिच्छा

अयादि सन्धि

यदि ए, ऐ, ओ, औ, स्वरों का मेल दूसरे स्वरों से हो तो ए का अय, ऐ का आय, ओ का अव और औ का आव हो जाता है

ए + अ =अय	ने + अन =नयन,
शे + अन = शयन	गै + अन = गायन
ऐ + अ =आय	नै + अक = नायक
ऐ + इ = आयि	गै + इका = गायिका
ओ + अ = अव	पो+ अन = पवन,

भो + अन = भवन

सौ + अन = सावन

औ + अ = आव

पौ + अन = पावन,

ओ + इ = अवि

पो + इत्र = पवित्र

औ + इ =आवि

नौ + इक = नाविक

औ + इ =आवु

भौ + उक = भावुक

व्यंजन सन्धि

व्यंजन के बाद स्वर या व्यंजन आये तो उनके मिलने से जो विकार होता है उसे व्यंजन सन्धि कहते है।

व्यंजन सन्धि के नियम- वर्ग के पहले वर्ण का तीसरे वर्ण में परिवर्तन किसी वर्ग के पहले वर्ण (क, च, ट्; त, प,) का मेल किसी स्वर अथवा प्रत्येक वर्ग के तीसरे, चौथे वर्ण अथवा अंतःस्थ व्यंजन से होने पर वर्ग का पहला वर्ण तीसरे वर्ण में परिवर्तित हो जाता है।

1. क का ग होना-

दिक् + गज = दिग्गज

च् का ज् होना –

अच् + अन्त = अजन्त

दिक् + अन्त = दिगन्त

अच् + आदि = अजादि

दिक् + विजय = दिग्विजय

वाक् + ईश = वागीश

ट का ड़ होना- षट + आनन = षडानन

त का द् होना- भगवत् + भजन = भगवद् भजन

प का थ् होना- अप् + ज = अब्ज

उत् + योग = उद्योग

सुप् + अन्त = सुवन्त

सत् + भावना = सद्भावना

सत् + गुण = सदगुण

2. वर्ग के पहले वर्ण का पाँचवें वर्ग में परिवर्तन – यदि किसी वर्ग के पहले वर्ण (क्, च्, ट्, त्, प्) का मेल किसी अनुनासिक वर्ण (केवल न, म) से हो तो उसके स्थान पर उसी वर्ग का पाँचवाँ वर्ण हो जाता है जैसे-

क् का ङ् होना – वाक् + मय = वाङ्मय

ट का ण होना – षट् + मुख = षण्मुख

त का न होना – उत् + मत्त = उन्मत्त
तत् + मय = तन्मय
चित् + मय = चिन्मय
जगत् + नाथ = जगन्नाथ

3. छ' सम्बन्धी नियम – किसी भी ह्रस्व स्वर या 'आ' का मेल 'छ' से होने पर, 'छ' से पहले च् जोड़ दिया जाता है जैसे –

स्व + छन्द = स्वच्छन्द
परि + छेद = परिच्छेद
अनु + छेद = अनुच्छेद
वि + छेद = विच्छेद

4. त् सम्बन्धी नियम –

(i) त् के बाद यदि च, छ हो तो त् का च् हो जाता है।
उत् + चारण = उच्चारण
उत् + चरित = उच्चरित
जगत् + छाया = जगच्छाया
सत् + चरित्र = सच्चरित्र

(ii) त् का मेल→ ज/झ हो, तो त् ज् में बदल जाता है
जैसे –
सत् + जन = सज्जन, जगत् + जननी = जगज्जननी
उत् + झटिका = उज्झटिका, उत् + ज्वल = उज्ज्वल

(iii) 'त' के बाद यदि ट, ड हो तो त् क्रमशः ट, ड में बदल जाता है, जैसे–

उत् + डयन = उड्डयन

वृहत् + टीका = बृहट्टीका

(iv) 'त' के बाद यदि 'ल' हो तो त्, ल् में बदल जाता है –

उत् + लास = उल्लास

तत् + लीन = तल्लीन

उत् + लेख = उल्लेख

(v) त के बाद यदि श् हो तो त् का च् और श् का 'छ' हो जाता है –

उत् + श्वास = उच्छ्वास

सत् + शास्त्र = सच्छास्त्र

(vi) त् के बाद यदि 'ह' हो तो 'त', द में और ह, ध में बदल जाता है

उत् + हार = उद्धार

उत् + हत = उद्धत

5 (i) म का मेल 'क' से लेकर 'ह' तक किसी भी व्यंजन से हो तो म अनुस्वार हो जाता है।

सम् + कलन = संकलन,
सम् + गति = संगति
सम् + चय = संचय,
परम् + तु = परंतु
सम् + पूर्ण = संपूर्ण,
सम् + योग = संयोग
सम् + रक्षण = संरक्षण,
सम् + लाप = संलाप
सम् + विधान = संविधान,
सम् + सार = संसार
सम् + हार = संहार

(ii) म् के बाद यदि म् आये तो म् में कोई परिवर्तन नही होता है
सम् + मान = सम्मान,
सम् + मति = सम्मति

'स्' सम्बंधी नियम —'स' से पहले अ, आ से भिन्न स्वर हो तो 'स' का 'ष' हो जाता है

सु + समा = सुषमा,
वि + सम = विषम
वि + साद = विषाद

विसर्ग सन्धि

विसर्ग–सन्धि – विसर्ग के बाद स्वर या व्यंजन आने पर विसर्ग में जो विकार होता है उसे विसर्ग सन्धि कहते है।

विसर्ग का 'ओ' हो जाना– यदि विसर्ग के पहले अ और बाद में अ अथवा तीसरा वर्ण, चौथा वर्ण, पाँचवा वर्ण अथवा य, र, ल, व, ह हो तो विसर्ग का ओ हो जाता है।

मनः + अनुकूल = मनोनुकूल,
तपः + बल = तपोबल
अधः + गति = अधोगति,
तपः + भूमि = तपोभूमि

विसर्ग का र हो जाना– यदि विसर्ग से पहले अ, आ को छोड़कर कोई दूसरा स्वर हो और बाद में आ, उ, ऊ, तीसरा वर्ण, चौथा वर्ण, पाँचवा वर्ण या य, र, ल, व में से कोई हो तो विसर्ग का 'र' हो जाता है।

निः + आशा = निराशा,
निः + धन = निर्धन
निः + बल = निर्बल,
आशीः + बाद = आशीर्वाद
दुः + उपयोग = दुरुपयोग

विसर्ग का 'श' हो जाता है–यदि विसर्ग के पहले कोई, स्वर हो और बाद में च, छ, या श हो तो विसर्ग का श् हो जाता है

निः + चिन्त =निश्चिन्त
निः+ छल = निश्छल
दुः + शासन = दुश्शासन
दुः + चरित्र = दुश्चरित्र

विसर्ग का ब् हो जाता है– विसर्ग के पहले इ, उ, और बाद में क, ख, ट, ठ, प, फ मे से कोई वर्ण हो तो विसर्ग का 'ष' हो जाता है–

निः + कपट = निष्कपट,
धनु + टकांर = धनुष्टंकार
निः + ठुर = निष्ठुर
निः + प्राण = निष्प्राण
निः + फल = निष्फल

8209837844
www.ugc-net.com

विसर्ग का 'स' हो जाना – विसर्ग के बाद यदि त या स हो तो विसर्ग का स् हो जाता है

निः + तेज = निस्तेज,
निः + सार = निस्सार
मनः + ताप = मनस्ताप
नमः + ते = नमस्ते
दुः + तर = दुस्तर
दुः + साहस = दुस्साहस

विसर्ग का लोप हो जाना–

(i) यदि विसर्ग के बाद ‘र’ हो तो विसर्ग लुप्त हो जाता है और उससे पहले का स्वर दीर्घ हो जाता है–

निः + रोग = नीरोग

निः + रस = नीरस

(ii) यदि विसर्ग से पहले अ या आ हो तो और विसर्ग के बाद कोई भिन्न स्वर हो तो विसर्ग लुप्त हो जाता है

अतः + एव = अतएव

विसर्ग में परिवर्तन ने होना– यदि विसर्ग के पूर्व ‘अ’ हो तथा बाद में ‘क’ या ‘प’ हो तो विसर्ग में परिवर्तन नही होता

प्रातः + काल = प्रातः काल
अन्तः + पुर = अन्तः पुर
अधः + पतन = अधः पतन

Next class....

✸ समास-प्रकरण ✸

WE WANT
YOUR
FEEDBACK

LIKE
& SHARE

For More Information….

www.ugc-net.com

/Fillerform

/Fillerform

//Fillerform

info@fillerform.com

8209837844

8209837844

ww.ugc-net.com

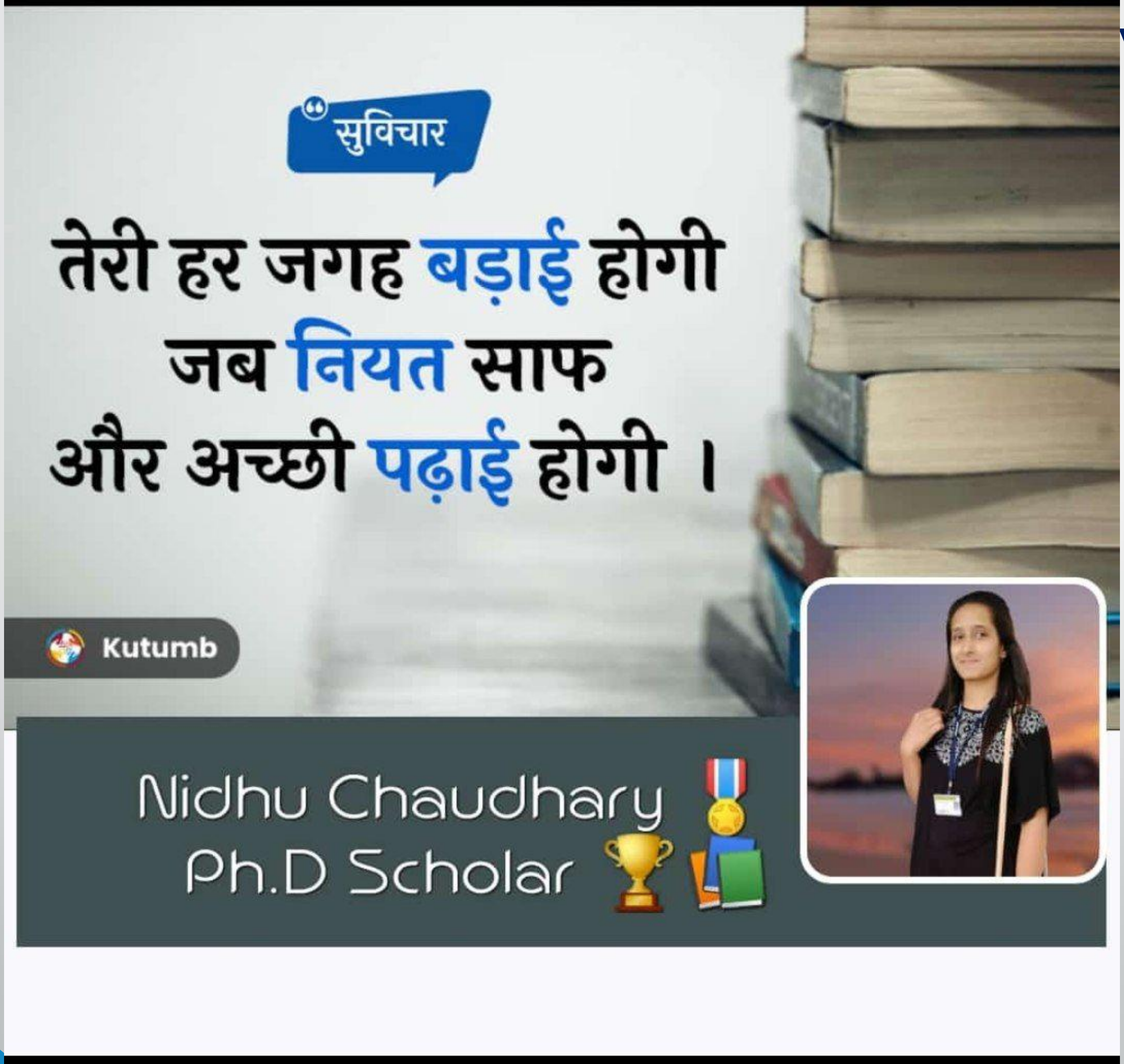

thank you